

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी/अध्यक्ष,
डी0डी0एम0ए0, रुद्रप्रयाग।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-01

देहरादून: दिनांक 26 अप्रैल, 2016

विषय:-

दिनांक 02.01.2016 को स्थान रुद्रप्रयाग में आहूत डी0डी0एम0ए0, टी0ए0सी0 के बैठक में अधिशासी अभियन्ता, सिविल कार्य इकाई, डी0डी0एम0ए0 द्वारा प्रस्तुत आगणनों पर एस0डी0एम0ए0 मद के अन्तर्गत धनराशि आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-290/डी0डी0एम0ए0/2015-16, दिनांक 15.02.2016 एवं पत्र संख्या-357/डी0डी0एम0ए0/2015-16, दिनांक 07.04.2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से सीतापुर पार्किंग हेतु नये पहुंच मार्ग (Entry) का निर्माण एवं पुराने पहुंच मार्ग (Exit) के प्रारम्भ में क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण सहित सी.सी. कार्य एवं वर्षा जल निकास के कार्य हेतु ₹ 383.85 लाख का आगणन धनावंटन हेतु उपलब्ध कराया गया है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सीतापुर पार्किंग हेतु नये पहुंच मार्ग (Entry) का निर्माण एवं पुराने पहुंच मार्ग (Exit) के प्रारम्भ में क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण सहित सी.सी. कार्य एवं वर्षा जल निकास के कार्य हेतु आगणन की कुल लागत ₹ 383.85 लाख के सापेक्ष शासन स्तर पर गठित टी.ए.सी. द्वारा जांचोपरान्त भूमि अध्याप्ति हेतु ₹ 31.15 लाख की धनराशि पृथक से अवमुक्त की जा रही है। आगणन की कुल धनराशि ₹ 383.85-31.15 = 352.70 लाख (₹ तीन करोड़ बावन लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखे जाने एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
2. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भलि-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाये।
5. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-204/XIV-219(206), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जायेगा।
6. यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।

7. प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गयी डिजाइन/मानक, पूर्णरूप से अथवा अन्तिम रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजाइन/मानक पूर्णरूप अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जायेगी।
8. द्वितीय चरण के विस्तृत आगणन को प्रेषित करते समय यह प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाये कि "प्रथम चरण के प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं"।
9. उपरोक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि के कार्यों के आगणनों का परीक्षण डी.डी.एम.ए. रुद्रप्रयाग के अंतर्गत गठित टी.ए.सी. द्वारा कराये जाने के उपरान्त ही कार्य सम्पादित कराये जायेंगे। यदि टी.ए.सी. के परीक्षणोपरान्त कोई धनराशि शेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
10. उक्त कार्यों के सम्पादन हेतु शासनादेश संख्या-966/XVIII-(2)/2015-15(15)/2015 दिनांक 06.04.2015 द्वारा निर्धारित शर्तें/प्रतिबन्ध यथावत् लागू रहेंगी।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (1 अप्रैल से 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03-आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा.संख्या- 06 P/XXVII(5)/2016-17, दिनांक 26 अप्रैल, 2016 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

संख्या-926 (1)/XVIII-(2)/2016-4(5)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
5. अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
8. राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
11. गार्ड फाइल।

9/10/16
26-4-2016

आज्ञा से,

(संतोष बड़ोनी)
उप सचिव